नवभारत

राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी का मंतव्य

'मॉडर्न महाविद्यालय' की शैक्षणिक यात्रा

नवभारत न्यूज नेटवर्क

पुणे. प्रोग्रेसिव एजुकेशन सोसाइटी द्वारा संचालित मॉडर्न कला, विज्ञान और वाणिज्य महाविद्यालय (स्वायत्त) शिवाजीनगर की शैक्षणिक यात्रा इस समय विश्वविद्यालय की ओर बढ़ रही है. ऐसा मंतव्य महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी ने दिया. मॉडर्न महाविद्यालय के स्वर्ण महोत्सवी वर्ष का समापन समारोह मंगलवार 19 जनवरी को हुआ. इस कार्यक्रम में प्रमुख अतिथि के तौर पर कोश्यारी बोल रहे थे.

सर्वोत्तम शिक्षा का आयकॉन मॉडर्न

कार्यक्रम में अतिथि के तौर पर सावित्रीबाई फुले विश्वविद्यालय के कुलगुरु डॉ. नितिन करमलकर भी उपस्थित थे. कोश्यारी ने कहा कि, 'मॉडर्न' ने उल्लेखनीय शिक्षा के लिए आज तक विभिन्न पुरस्कार प्राप्त किए हैं. यह कॉलेज सर्वोत्तम शिक्षा का एक आयकॉन बन चुका है. जिस तरह देश में अनुसंधान की परंपरा काफी पुरानी है, उसी तरह 'मॉडर्न' में भी विभिन्न तरह के अनुसंधान होते रहते हैं. इन सभी कारणों से इस समय मॉडर्न की यात्रा विश्वविद्यालय की ओर हो रही है. उन्होंने कहा कि, 'मॉडर्न' को स्वायत्त दर्जा होने के चलते विद्यार्थियों को बेहतरीन पाठ्यक्रम और शिक्षा दिलाने का कार्य यहां चल रहा है. इस महाविद्यालय में मिलने वाले ज्ञान का प्रकाश पूरी दुनिया में फैलाने की जिम्मेदारी छात्रों की ओर से बखूबी निभाई जा रही है. कॉलेज को सेंटर ऑफ एक्सीलेन्स बनाने के लिए और अधिक प्रयास करने होंगे.

जरुरतमंदों को दी जाती है शिक्षा : डॉ. एकबोटे

प्रोग्रेसिव एजुकेशन सोसाइटी के कार्याध्यक्ष डॉ. गजानन एकबोटे ने कहा कि, मॉडर्न कॉलेज में समाज के गरीब और जरुरतमंद छात्रों को भी बेहतरीन शिक्षा दिलाई जाती है. संस्था ने हमेशा ही समाज के हितों को सर्वोपरि माना है. यही कारण है कि, इस कॉलेज के छात्र शिक्षा पूरी होने के बाद भी कॉलेज की प्रगति में हमेशा कुछ ना कुछ योगदान देते रहते हैं. नए पाठ्यक्रमों को शुरू करने में और ज्यादा स्वायत्तता की जरुरत है, जिससे यह कॉलेज और भी ज्यादा प्रगति कर सके.

अत्याधुनिक प्रयोगशाला का उद्घाटन

इस अवसर पर 'मॉडर्न' में अत्याधुनिक प्रयोगशाला का उद्घाटन डिजिटल प्रणाली से भगत सिंह कोश्यारी के हाथों किया गया. केंद्रीय विज्ञान तकनीक मंत्रालय की ओर से 'डीएसटी-फिस्ट' के तहत प्राप्त करीब डेढ़ करोड की निधि से यह प्रयोगशाला बनाई गई है. कोरोना महामारी के दौरान महाविद्यालय में आने वाले अभ्यागतों को प्राचार्य से मिलना आसान हो, इसके लिए बनाए गए आभासी कक्ष का उद्घाटन भी राज्यपाल के हाथों किया गया. इस समय स्वर्ण महोत्सव विशेषांक का विमोचन किया गया. महाविद्यालय समिति की सचिव प्रा. ज्योत्स्ना एकबोटे ने प्रस्तावना में 'मॉडर्न' की प्रगति की जानकारी दी. प्राचार्य डॉ. राजेंद्र झुंजार राव ने आभार प्रकट किए. कार्यक्रम में प्रोग्रेसिव एजुकेशन सोसाइटी की उपकार्यवाहक डॉ. निवेदिता एकबोटे, सहकार्यवाहक सुरेश तोडकर उपस्थित थे. कार्यक्रम का सूत्रसंचालन प्रोग्रेसिव एजुकेशन सोसाइटी के सचिव श्यामकांत देशमुख ने किया.

Pune Edition
20-january-2021 Page No. 2
epaper.enavabharat.com